तृतीय लिंगी विमर्श : हिन्दी कथा साहित्य के संदर्भ में

[THIRD GENDER DISCOURSE : IN THE CONTEXT OF HINDI FICTION]

मंगळूरु विश्वविद्यालय

की पीएच.डी. (हिन्दी) उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध-प्रबंध

FINAL SYNOPSIS SUBMITTED TO MANGALORE UNIVERSITY FOR THE AWARD OFDOCTOR OF PHILOSOPHY IN HINDI

शोध निर्देशिका :
प्रोफेसर सुमा टी. रोडनवर
हिन्दी स्नातकोत्तर अध्ययन विभाग
विश्वविद्यालय कॉलेज,
मंगळूरु

शोधार्थी :
पुरोबी अविनाश
अनुक्रमांक : 166302707
हिन्दी स्नातकोत्तर अध्ययन विभाग
विश्वविद्यालय कॉलेज, मंगळूरु

Research Guide :
Prof Suma T. Rodanwar
Dept. of Postgraduate Studies Hindi
University College,
Mangalore

Researcher :
Purobi Avinash
Reg. No. : 166302707
University College,
Mangalore

: अनुसंधान केंद्र :

स्नातकोत्तर हिन्दी अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र
विश्वविद्यालय कॉलेज, मंगळूरु

DEPARTMENT OF POSTGRADUATE STUDIES AND RESEARCH IN HINDI
UNIVERSITY COLLEGE , MANGALURU

2024

प्राक्कथन

तृतीय लिंगी समाज हमेशा से ही चर्चा का विषय रहा है, अधिकांश लोग इनके नाम से ही दहशत में आ जाते है | आज भी स्थिति में पूर्णतया परिवर्तन नहीं आया है | इसका मुख्य कारण है समाज का उनके प्रति रूचि न होना या फिर उन्हें हेय दृष्टि से देखना | विगत बीस वर्षों में तृतीय लिंगी समाज ने मुख्यधारा के साथ जुड़ने का भरसक प्रयास किया है | जिनमें लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी एवं मानबी बंदोपाध्याय का नाम ससम्मान लिया जाता है | उसी दौरान मुझे लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी जी की आत्मकथा 'मैं हिजड़ा...मैं लक्ष्मी' पढने का मौका मिला एवं बंगला भाषा में मनाबी बंदोपाध्याय जी के लेख पत्र-पत्रिकओं में बहुत पहले से ही छपते रहते थे | इन्हें पढने के बाद मैं तृतीय लिंगी समाज को समझ पाई एवं इनके करीब जाने का डर मेरे मन से निकला | कुछ पूछताछ के बाद पता चला कि यह विषय एकदम अछुता है |

मैंने अपने दिल की बात प्रोफेसर सुमा टी रोडनवर से कही एवं उन्होंने मुझे विषय के साथ आगे बढने का हौसला दिया | शोध कार्य के दौरान जब भी कभी निराश हुई तो आपने मुझे भावनात्मक संबल दिया तथा अनेक विषम परिस्थितियों में समय-समय पर शोध कार्य को पूरा करने के लिए उत्साहित किया|

शोध की आवश्यकता एवं उद्देश्य

'तृतीय लिंग' यह शब्द सुनते ही हमारे मन में एक विकृत छवि उभरकर सामने आती है | समाज इन्हें हेय दृष्टि से देखता है | ये समाज का अंग होते हुए भी समाज में तिरस्कृत हैं |

यह तिरस्कार उन्हें कभी अपने परिवार से मिलता हैं तो कभी अपने सह–कर्मियों से । जबकि इनका इतिहास तो अत्यंत पुराना है , जिसका साक्ष्य हमें महाभारत और रामायण में भी मिलता है । सच तो यह है कि हम जितने आधुनिक होते गए उसके साथ ही हमारी सोच संकुचित होती गई । सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी इनके साथ बुरा बर्ताव किया जा रहा है । साहित्य में भी इनकी पीड़ा को उकेड़ने की कोशिश की जा रही हैं, जिससे लोग उन्हें जाने और समझे । इसी कारण मैंने भी अपने शोध कार्य के लिए 'तृतीय लिंगी विमर्श : हिन्दी कथा साहित्य के संदर्भ में' का चयन किया हैं । हिन्दी कथा साहित्य को एक निश्चित समय–सीमा में बाँधने एवं सुदृढ़ अध्ययन के लिए मैंने सन् 2002 से 2018 के मध्य प्रकाशित उपन्यासों, कहानियों, लघुकथाओं एवं अन्य भाषा से हिन्दी में अनूदित कहानियों को मेरे शोध अध्ययन का क्षेत्र बनाया है |

अनुसंधान की पद्धतियाँ

1. विश्लेषणात्मक पद्धति
2. भाषावैज्ञानिक पद्धति
3. साक्षात्कार पद्धति
4. मूल्यांकन पद्धति

1) विश्लेषणात्मक पद्धति : विश्लेषणात्मक अनुसंधान में शोध से संबंधित सामग्री संकलित की जाती है । इसके बाद जानकारी के आधार पर संकलित की गई सामग्री का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है । पूर्व में एकत्रित किए गए तथ्यों, आँकड़ों, विचारों आदि से परे अंतर्दृष्टि रखते हुए संचित तथ्यों व आँकड़ों के पीछे की कहानी कुछ और भी हो सकती है । जैसे

तृतीय लिंग समाज के संबंध में कई प्रकार की भ्रांतियाँ है । इनके जन्म से लेकर मृत्यु तक के बीच विभिन्न प्रकार की मनगढ़ंत कहानियाँ फैली हुई है। इससे यह पता चलता है कि समाज के मुख्यधारा में इन्हें कभी स्थान नहीं दिया गया । धीरे-धीरे तृतीय लिंग समाज पर्दे के पीछे छिपता चला गया ।

2) भाषावैज्ञानिक पद्धति : यह शोध की शास्त्रीय पद्धति है । इसके अंतर्गत भाषा की संरचना का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है । व्यवहारिक जीवन में प्रयोग में आने वाली भाषा एवं इस शोध प्रबंध में तृतीय लिंग समाज में व्यवहार में लाए जाने वाले भाषा-व्यवहार पर प्रकाश डाला गया है समाज में प्रयोग की जाने वाली भाषा में अंतर है। इस शोध प्रबंध में तृतीय लिंग समाज में व्यवहार में लाए जाने वाले भाषा-व्यवहार पर प्रकाश डाला गया है ।

3) साक्षात्कार पद्धति : अनुसंधान में साक्षात्कार पद्धति का उद्देश्य मौलिक जानकारी प्राप्त करना होता है । यह पद्धति गहन और सही तथ्यों का पता लगाने के लिए मदद करती है । नीरजा माधव , महेन्द्र भीष्म , भगवंत अनमोल जी का एवं तृतीय लिंग समाज से काजल , नगमा जी का साक्षात्कार लिया गया है ।

4) मूल्यांकन पद्धति : मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसके आधार पर किसी विषय के ज्ञान का आकलन करते हैं । मूल्यांकन के द्वारा किसी विषय में कमियों या विशेषताओं का आकलन किया जाता है । मूल्यांकन से ज्ञान का

विकास होता है । प्रस्तुत शोध-प्रबंध में अलग-अलग दृष्टिकोण से तृतीय लिंग समाज की चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है ।

अनुसंधान की व्याप्ति एवं सीमा

तृतीय लिंगी समाज़ सर्वदा से ही चर्चा का विषय रहा हैं , कारण इनके नाम से ही लोग दहशत में आ जाते हैं । हम यह भूल जाते हैं कि दलित, स्त्री, आदिवासी तथा अन्य सवर्ण समाज़ के लोगों की तरह तृतीय लिंगी भी इसी समाज़ का अंग हैं । साहित्य और समाज़ पूरक हैं । समय–समय पर विविध विमर्शों के द्वारा अन्याय को उजागर किया गया हैं । तृतीय लिंगी समाज़ को भी मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा हैं , जिससे उन्हें सम्पूर्ण सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार मिल सके । इसी कारण शोध के लिये मैंने इस विषय को चुना । इस विषय पर शोध अध्ययन सामग्री की कमी के कारण मेरी शोध निर्देशिका प्रोफेसर सुमा टी आर के सुझाव के आधार पर मैंने हिन्दी कथा सहित्य का चुनाव किया । लेकिन 2018 के बाद कई नवोदित रचनाकारों की दृष्टि इस अछुते विषय पर गई और इसका सुफल यह है कि आज लगभग दो दर्ज़न उपन्यास एवं सौ से भी अधिक कहानियाँ उपलब्ध हैं ।

अनुसंधान के अध्ययन का विभाजन

विषय की समग्रता को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध-प्रबंध को सात अध्यायों में बाँटा गया है । ये सात अध्याय निम्नानुसार हैं –

तृतीय लिंगी विमर्श : हिन्दी कथा साहित्य के सन्दर्भ में

प्रथम अध्याय : मुक्तिकामी विमर्श एवं तृतीय लिंग

1.1 मुक्तिकामी विमर्श : सामान्य परिचय

1.1.1 स्त्री विमर्श

1.1.2 दलित विमर्श

1.1.3 बाल विमर्श

1.1.4 आदिवासी विमर्श

1.1.5 विकलांग विमर्श

1.1.6 वृद्ध विमर्श

1.1.7 किसान विमर्श

1.1.8 प्रवासी विमर्श

1.1.9 अल्पसंख्यक विमर्श

1.1.10 तृतीय लिंगी विमर्श

1.2 लिंग (सेक्स) और जेंडर

1.3 लैंगिकता / कामुकता (सेक्सुअलिटी)

1.3.1 आशय

1.3.2 भेद

1.3.3 प्राइड मंथ

1.4 **तृतीय लिंग : अवधारणा**

1.4.1 अर्थ एवं परिभाषा

1.4.2 किन्नर, हिजड़ा या मंगलमुखी ?

1.4.3 विभाजन

1.4.4 जन्म

1.4.5 रीति-रिवाज

1.4.5.1 पूजा पद्धति

1.4.5.2 गुरु परम्परा

1.4.5.3 मंगलमुखियों की तालियाँ

1.4.5.4 अंत्येष्टि क्रिया

1.5 **तृतीय लिंग : इतिहास से वर्तमान तक**

1.5.1 हिन्दू धर्म एवं तृतीय लिंग

1.5.2 बौद्ध धर्म एवं तृतीय लिंग

1.5.3 जैन धर्म एवं तृतीय लिंग

1.5.4 सिख धर्म एवं तृतीय लिंग

1.5.5 दिल्ली सल्तनत एवं तृतीय लिंग

1.5.6 मुगलकाल एवं तृतीय लिंग

1.5.7 ब्रिटिश काल एवं तृतीय लिंग

1.5.8 वर्तमान परिदृश्य एवं तृतीय लिंग

1.6 मानवाधिकार

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय : हिन्दी उपन्यासों में तृतीय लिंग अनुशीलन

2.1 यमदीप

2.2 मैं भी औरत हूँ

2.3 किन्नर कथा

2.4 तीसरी ताली

2.5 गुलाम मंडी

2.6 पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा

2.7 मैं पायल

2.8 जिन्दगी 50-50

2.9 अस्तित्व

2.10 दरमियाना

2.11 आधा आदमी

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय : हिन्दी कहानियों में तृतीय लिंग अनुशीलन

3.1 थर्ड जेंडर : हिन्दी कहानियाँ

3.1.1 बिन्दा महराज

3.1.2 ख़लीक अहमद बूआ

3.1.3 बीच के लोग

3.1.4 किन्नर

3.1.5 ई मुर्दन का गाँव

3.1.6 संझा

3.1.7 हिजड़ा

3.1.8 इज्जत के रहबर

3.1.9 कौन तार से बीनी चदरिया

3.1.10 त्रासदी

3.1.11 रतियावन की चेली

3.1.12 नेग

3.1.13 पन्ना बा

3.1.14 हिजड़ा

3.1.15 संकल्प

3.1.16 खुश रहो क्लीनिक

3.2 हम भी इंसान है

3.2.1 कुकुज नैस्ट

3.2.2 कबीरन

3.2.3 गली आगे मुड़ती है

3.2.4 मैं फूलमती और हिजड़े

3.2.5 नवाब

3.2.6 मन मरीचिका

3.2.7 मैमूना , मोमिना और मैनू

3.2.8 ज्योति सूना नयन

3.2.9 एक किन्नर की लव स्टोरी

3.2.10 समर से सुरमई

3.2.11 अंधेरे की परतें

3.2.12 नियती

3.2.13 अपना दर्द

3.2.14 भूमिजा

3.2.15 पद्मश्री थर्डजेंडर

3.2.16 ट्रांसजेंडर

3.3 **कथा और किन्नर**

3.3.1 हिजडा

3.3.2 अथ किन्नर कथा

3.3.3 एक जैसे

3.3.4 प्रतिशोध

3.3.5 इतनी देर में

3.3.6 आखिर कब तक?

3.3.7 पहचान

3.3.8 प्रतिमान

3.3.9 मिस्टी

3.3.10 दर्द

3.3.11 वो किन्नर

3.4 **दास्तान-ए-किन्नर**

3.4.1 माई

3.4.2 ओ मेरी प्रिय सखी चंपावती

3.4.3 मेरी बेटी

3.4.4 तराजू

3.4.5 दापा

3.4.6 निलोफर

3.4.7 वो किन्नर लड़की

3.4.8 मोहब्बत वाले गाने

3.4.9 एक मोड़ यह भी

3.4.10 रोहिणी

3.4.11 विकास का गर्भपात

3.4.12 लूट

3.4.13 रेड सर्किल

3.4.14 जीवनार्थ साहस की आँधी

3.4.15 बुलबुल

3.4.16 अधिकार

3.4.17 इंसानी ज़मीन

3.4.18 होने न होने के बीच

3.4.19 जन्मदिन

3.4.20 दुनिया जीत ली

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय : हिन्दी लघुकथाओं में तृतीय लिंग अनुशीलन

4.1 मेरी किन्नर केन्द्रित लघुकथाएँ

4.2 दास्तान-ए-किन्नर

4.2.1 दुआ

4.2.2 नई सोच

4.2.3 बुलंद तालियाँ

4.2.4 नपुंसक

4.2.5 असली किन्नर

4.2.6 पहचान

4.2.7 दे दे राजा

4.2.8 बदनामी

4.2.9 मुझे ऐसा क्यों बनाया

4.2.10 मैं,पढ़ने क्यों नहीं जाता

4.2.11 शौक नहीं, मजबूरी

4.2.12 बिना अपराध की सजा

4.2.13 किन्नर कौन

4.2.14 अंधेरे

4.2.15 ....चंदन....

4.2.16 जहाँ चाह वहाँ राह

4.2.17 शगुन

4.2.18 ताली

4.2.19 सुहाग का सौदागर

4.2.20 जिन्दगी की खुशी

4.2.21 हुनर के दीपक

4.2.22 हम भी ईश्वर के बनाये इंसान हैं

4.2.23 नरपिशाच

4.2.24 वो मेरी जैसी तो है....

4.2.25 अगले जनम मोहे ऐसा न कीजो

4.2.26 काँपते पत्ते

4.2.27 माँ का धर्म

4.2.28 अनुराधा की बगावत

4.2.29 प्रेमचंद की परंपरा में

4.2.30 उड़ती हूँ गगन में

4.2.31 ऐसा भी होता है

4.2.32 तुम्हारा समाज

4.2.33 भूल स्वीकार

4.2.34 मातृत्व का अवकाश

4.2.35 जानकी

4.2.36 लैंगिक विकलांगता

4.2.37 साँझा दुःख

निष्कर्ष

पंचम अध्याय : अनूदित कहानियों में तृतीय लिंग अनुशीलन

5.1 हम भी इंसान है

5.1.1 मृत्यु के बाद किन्नर का अपनी माँ को खत

5.1.2 बृहनल्ला

5.1.3 खामोश महाभारत

5.1.4 खौदा चाचा

5.1.5 किन्नर

5.2 थर्ड जेंडर : अनूदित कहानियाँ

5.2.1 हम जिनस

5.2.2 ऊँचा बुर्ज लाहौर का

5.2.3 मटकन लाल खोजा

5.2.4 उसका बाप

5.2.5 पेड़ से टूटा पत्ता

5.2.6 सती

5.2.7 रेतीला

5.2.8 मलका

5.2.9 महानाच

5.2.10 मृगतृष्णा

5.2.11 ओए सोने के कंगना

5.2.12 नूरी

5.2.13 कान में डाला बुन्दा

5.2.14 जीने लायक

5.2.15 घुँघरू कथा

5.2.16 हिजड़ों कुण...अै...कै...वै...?

5.2.17 वे लोग

5.2.18 फिर मत आना

निष्कर्ष

षष्ठम अध्याय : हिन्दी कथा साहित्य में तृतीय लिंग समस्या-चित्रण

6.1 **सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याएँ**

6.1.1 समाज एवं परिवार में लैंगिक असमानता

6.1.2 परिवार से विस्थापन

6.1.3 देह-व्यापार

6.1.4 प्रेम

6.1.5 वृद्धावस्था की चुनौतियाँ

6.2 **आर्थिक समस्याएँ**

6.2.1 गरीबी

6.2.2 आवास की समस्या

6.2.3 अशिक्षा

6.2.4 बेरोजगारी

6.2.5 नकली मंगलमुखियों का बढ़ता रैकट

6.3 **मनोवैज्ञानिक समस्याएँ**

6.3.1 अकेलापन

6.3.2 हीन भावना से ग्रस्त

निष्कर्ष

सप्तम अध्याय : हिन्दी कथा साहित्य में तृतीय लिंग भाषा शैली का अनुशीलन

7.1 **भाषा**

7.2 **शैली**

7.2.1 वर्णनात्मक शैली

7.2.2 पूर्वदीप्ति शैली

7.2.3 आत्मकथात्मक शैली

7.2.4 पत्रात्मक शैली

7.2.5 संवादात्मक शैली

निष्कर्ष

- उपसंहार
- परिशिष्ट I : संदर्भ ग्रंथ
- परिशिष्ट II : साक्षात्कार :– भाग I – तृतीय लिंग

  भाग II – साहित्यकार
- परिशिष्ट III : प्रकाशित लेख
- परिशिष्ट IV : सेमिनार में प्रस्तुत शोध पत्र के प्रमाण पत्र

प्रथम अध्याय : मुक्तिकामी विमर्श एवं तृतीय लिंग

समाज के दो मुख्य स्तंभ पुल्लिंग और स्त्रीलिंग के बीच तृतीय लिंगी वर्ग अपने आप को बंधक के रूप में मानते हैं । प्रथम अध्याय 'मुक्तिकामी विमर्श एवं तृतीय लिंग' के अंतर्गत लिंग (सेक्स), जेंडर एवं लैंगिकता/कामुकता (सेक्सुअलिटी) के

आशय, भेद तथा प्राइड मंथ पर प्रकाश डाला गया है । साथ ही तृतीय लिंग का अर्थ, परिभाषा, उनके विभाजन, जन्म का वैज्ञानिक तथा ज्योतिषीय कारण, उनके रीति–रिवाज के अंतर्गत पूजा पद्धति, गुरु परंपरा, मंगलमुखियों की तालियाँ एवं अन्त्येष्टि क्रिया का विश्लेषण किया गया है । इतिहास से वर्तमान तक तृतीय लिंग की उपस्थिति को समझने के लिए हिन्दू धर्म एवं तृतीय लिंग, बौद्ध धर्म एवं तृतीय लिंग, जैन धर्म एवं तृतीय लिंग, दिल्ली सल्तनत एवं तृतीय लिंग, मुग़लकाल एवं तृतीय लिंग, ब्रिटिश काल एवं तृतीय लिंग और उसके साथ वर्तमान परिदृश्य में तृतीय लिंग एवं उनके मानवाधिकार पर भी विस्तारपूर्वक विश्लेषण किया गया है ।

द्वितीय अध्याय : हिन्दी उपन्यासों में तृतीय लिंग अनुशीलन

हिन्दी उपन्यास साहित्य की यात्रा के दौरान नए–नए विचार सामने आए हैं । सन् 2002 में प्रथम बार तृतीय लिंगी समाज को विषय बनाकर उपन्यास सृजन किया गया और वर्तमान समय तक तो कई नवोदित रचनाकारों ने इस विषय पर गंभीरता से इनके अनकहे दुख को समाज के सामने रखा है। जिसके कारण अभिशप्त माने जाने वाले तृतीय लिंगी समाज को भी अपनी कथा कहने का मौका मिला । इस अध्याय के अंतर्गत यमदीप, मैं भी औरत हूँ, किन्नर कथा, तीसरी ताली, गुलाम मंडी, पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा, मैं पायल, जिंदगी 50-50, अस्तित्व, आधा आदमी का चयन किया गया है । इन चयनित उपन्यासों में तृतीय लिंगी वर्ग की मन:स्थिति, पीड़ा आदि पर प्रकाश डाला गया है ।

तृतीय अध्याय : हिन्दी कहानियों में तृतीय लिंग अनुशीलन

कहानी का फलक उपन्यास से छोटा होता हैं किन्तु कथा प्रवाह में कोई भेद निकाल पाना अत्यंत कठिन काम है । निःसंकोच रूप से उपन्यास और कहानी का शिल्पगत विधान एक हैं किंतु आकार , रचना-प्रक्रिया आदि में काफी अंतर हैं । उपन्यास और कहानी का पहला भेद तो आकार ही है । तृतीय लिंगी समाज की यातनाओं का वर्णन उपन्यास के साथ-साथ आधुनिक कहानियों में भी किया जा रहा हैं, परंतु सीमित आकार में रहकर तृतीय लिंगी समाज का वर्णन आसान काम नहीं हैं । आज तृतीय लिंगी समाज की वेदना को तकरीबन सौ से भी ज्यादा कहानियों द्वारा सामने लाया गया है । इस अध्याय के अंतर्गत प्रथम कहानी संग्रह 'थर्ड जेंडर : हिन्दी कहानियाँ' में सोलह कहानियाँ, द्वितीय कहानी संग्रह 'हम भी इन्सान है' के अंतर्गत सोलह कहानियाँ, तृतीय कहानी संग्रह 'कथा और किन्नर' के अंतर्गत ग्यारह कहानियाँ, चतुर्थ कहानी संग्रह 'दास्तान-ए-किन्नर' के प्रथम खंड के अंतर्गत बीस कहानियों को स्थान दिया गया है । कुल मिलाकर इस अध्याय में तिरसठ कहानियों में तृतीय लिंगी वर्ग की व्यथा को स्वर मिला है और साथ ही साथ इस वर्ग के सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा की गई है । तृतीय लिंगी समाज का चारित्रिक, सामाजिक , पारिवारिक , आर्थिक , धार्मिक आदि अनेक पहलुओं पर व्यक्त कहानी के माध्यम से अभिव्यक्ति दी गई है ।

चतुर्थ अध्याय : हिन्दी लघुकथाओं में तृतीय लिंग अनुशीलन

लघुकथा सबसे पुराने प्रकार के साहित्य में से एक है और दुनिया भर के विभिन्न प्राचीन समुदायों में किंवदंतियों , पौराणिक कथाओं , लोक कथाओं , परियों की

कहानियों , दंतकथाओं और उपाख्यानों के रूप में मौजूद है। आधुनिक लघुकथा का विकास 19वीं शताब्दी की शुरुआत में हुआ। लघुकथा अपने आप में एक गढ़ा हुआ रूप है। इस अध्याय में पारस दासोत कृत 'मेरी किन्नर केन्द्रित लघुकथाएँ' में एक सौ लघुकथाओं एवं दास्तान-ए-किन्नर कहानी संग्रह के द्वितीय खंड में सैंतीस लघुकथाओं पर तृतीय लिंगी विषयक विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया है ।

पंचम अध्याय : अनूदित कहानियों में तृतीय लिंग अनुशीलन

अनुवाद यह एक जटिल, कृत्रिम, आवश्यकता-जनित, और एक दृष्टि से सर्जनात्मक प्रक्रिया है जिसमें असाधारण और विशिष्ट कोटि की प्रतिभा की आवश्यकता होती है। यह इसकी अपनी प्रकृति है। इस अध्याय में उर्दू , पंजाबी , बांग्ला , गुजराती तथा मारवाड़ी से हिन्दी में अनुदित कहानियों का विश्लेषण किया गया है । जिससे समग्र भारत में तृतीय लिंग वर्ग की उपस्थिति का प्रमाण तो मिलता है लेकिन उनके नरकतुल्य जीवनशैली, विस्थापन की पीड़ा और समाज से अपने हक़ की लड़ाई से दूर भागने की एक मन:स्थिति साफ-साफ खुलकर सामने आई है ।

षष्ठम अध्याय : हिन्दी कथा साहित्य में तृतीय लिंग समस्या-चित्रण

प्रत्येक उपन्यास अपने देशकाल वातावरण का सूचक होता है । सन् 2000 के बाद जितने भी तृतीय लिंगी उपन्यास लिखे गए , उन सभी में अपने युग की एक वेदना है जो चिरकाल से चली आ रही हैं । इस अध्याय के अंतर्गत तृतीय लिंग वर्ग के

समाज एवं परिवार से विस्थापन, गरीबी, आवास की समस्या, अशिक्षा, बेरोजगारी, देह–व्यापार, अकेलापन, हीन भावना से ग्रस्त एवं नकली मंगलमुखियों का बढ़ता रैकेट जैसी गंभीर समस्यायों पर विश्लेषण किया गया है ।

सप्तम अध्याय : हिन्दी कथा साहित्य में तृतीय लिंगी भाषा शैली का अनुशीलन

रचनाकार अपने लेखन कौशल के द्वारा भाषा में चमत्कार लाता हैं जो पाठकों में रूची जागृत करती है । इस अध्याय के अंतर्गत उपन्यास, कहानी, लघुकथा एवं अनुदित हिन्दी कहानियों में वर्णित तृतीय लिंगी समाज की सांकेतिक भाषा के साथ-साथ भाषा–शैली पर प्रकाश डाला गया है ।

उपसंहार

वर्तमान समय अस्मिता की लड़ाई का समय है । आज विश्व भर में मानव समाज अस्मिताओं के प्रति पहले की अपेक्षा अधिक सक्रिय है और यह बौद्धिक सचेतनता का ही सुफल है कि विश्व समुदाय होते हुए आज भारत में भी तमाम वंचितों के अधिकारों की बात उठने लगी है, ऐसा ही उपेक्षित और वंचित समुदाय है तृतीय लिंगी समुदाय (मंगलमुखी समुदाय) । तृतीय लिंगी समाज भी आज अपने अस्तित्व एवं अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने लगा है । इन सातों अध्यायों के उपरांत निष्कर्ष के रूप में 'उपसंहार' को प्रस्तुत किया गया है । इसके अंतर्गत सम्पूर्ण शोध प्रबंध

के समस्त अध्यायों के निष्कर्षात्मक विवरण लघु एवं सीमित रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचि

आधार ग्रन्थ

1. यमदीप, नीरजा माधव, सुनील साहित्य सदन, नई दिल्ली, 2009
2. मैं भी औरत हूँ, डॉ अनुसूया त्यागी, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली, 2011
3. किन्नर कथा, महेंद्र भीष्म, सामयिक बुक्स, नई दिल्ली, 2011
4. तीसरी ताली, प्रदीप सौरभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
5. गुलाम मंडी, निर्मला भुराडिया, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. पोस्ट बॉक्स नं 203 नाला सोपारा, चित्रा मुद्गल, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
7. मैं पायल, महेंद्र भीष्म, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2016
8. जिंदगी 50-50, भगवंत अनमोल, राजपाल एंड सन्ज, दिल्ली, 2017
9. अस्तित्व, गिरिजा भारती, विकास प्रकाशन, कानपूर, 2018
10. दरमियाना, सुभाष अखिल, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2018
11. आधा आदमी, राजेश मलिक, मनीष पब्लिकेशन, दिल्ली, 2018
12. मेरी किन्नर केन्द्रित लघुकथाएँ, पारस दासोत, अक्षरधाम पब्लिकेशन, हरियाणा, 2013
13. वाङ्मय (जनवरी-मार्च/2017)-खंड-एक, थर्ड जेंडर:हिन्दी कहानियाँ

14. वाङ्मय (अप्रैल-जून/2017)-खंड-दो, थर्ड जेंडर : अनुदित कहानियाँ
15. हम भी इंसान हैं, (सं) डॉ एम. फिरोज खान, वाङ्मय बुक्स, अलीगढ, 2018
16. कथा और किन्नर, (सं) डॉ विजेंद्र प्रताप सिंह & डॉ रवि कुमार गोंड, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2018
17. दास्तान-ए-किन्नर, (सं) पुरोबी ए. भंडारी, विकास प्रकाशन, कानपूर, 2018

सहायक ग्रन्थ

1. लघुकथा : गुफाओं से मैदान की ओर, (सं) रमेश जैन & भागीरथ, 1974
2. श्रीगोस्वामी तुलसीदास कृत कवितावली, चंपाराम मिश्र, इंडियन प्रेस, प्रयाग, 1990
3. भारतीय बाल साहित्य के विविध आयाम, (सं) विनोदचंद्र पाण्डेय, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1996
4. साहित्य का समाजशात्र, मैनेजर पांडे, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, हरियाणा, 2006
5. रामचरित मानस, गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2011
6. पर्यावरण-विमर्श, (सं) आई. एन. सिंह, भावना प्रकाशन, दिल्ली, 2012
7. महात्मा ज्योतिराव फुले, धनंजय कीर, पॉपुलर प्रकाशन, 2012
8. हिन्दी साहित्य की किसान कलम, (सं) रामप्रवेश शास्त्री & डॉ चंद्रशेखर तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2013
9. हिन्दी दलित साहित्य विमर्श के विविध आयाम, डॉ रश्मि चतुर्वेदी, सरस्वती प्रकाशन, 2014
10. साहित्यालोचन, डॉ श्यामसुंदर दास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
11. विकलांग विमर्श का वैश्विक परिदृश्य, (सं) डॉ सुरेश माहेश्वरी, भावना प्रकाशन, दिल्ली, 2014

12. मैं हिजड़ा...मैं लक्ष्मी !, लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
13. हिन्दी का अस्मितामूलक साहित्य और अस्मिताकार, डॉ राजेंद्र प्रताप सिंह, अमन प्रकाशन, कानपूर, 2016
14. मानस किन्नर, मुरारी बापू, संतकृपा सनातन संस्थान, नाथद्वार, 2016
15. भारतीय साहित्य एवं समाज में तृतीय लिंगी विमर्श, (सं) डॉ विजेंद्र प्रताप सिंह & डॉ रवि कुमार गोंड, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2016
16. मुक्ति की अवधारणा : स्त्री एवं दलित विमर्श, डॉ कुमारी उर्वशी, दिशा प्रकाशन, 2017
17. आदिवासी : दमन, शोषण और यथार्थ, डॉ जालिंदर इंगले, गौरव बुक्स, कानपूर, 2017
18. आदिवासी कौन, (सं) रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2017
19. शिखंडी और कुछ किन्नर कहानियाँ, देवदत्त पट्टनायक, राजपाल एंड सन्ज, दिल्ली, 2017
20. हिन्दी उपन्यासों के आईने में थर्ड जेंडर, (सं) डॉ विजेंद्र प्रताप सिंह, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2017
21. किन्नर विमर्श : साहित्य के आइने में, डॉ इकरार अहमद, वाङ्मय बुक्स, अलीगढ़ , 2017
22. हिन्दी व्याकरण, कमाता प्रसाद गुरु, प्रभात प्रकाशन, 2018
23. पुरुष तन में फँसा मेरा नारी मन, मनोबी बंदोपाध्याय, राजपाल एंड सन्ज, दिल्ली, 2018
24. न नर, न नारी, फिर भी नारायण, (सं) जैरी जॉनसन, हार्परकॉलिंस पब्लिशर्स इंडिया, 2018
25. धर्म और जेंडर: धर्म संस्था के जरिए जेंडरगत मानस का निर्माण, (सं) इलीना सेन & जेबा इमाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2018

26. सिनेमा की निगाह् में थर्ड जेण्डर, (सं) डॉ एम. फिरोज खान & डॉ शिप्रा किरण, विकास प्रकाशन, कानपूर, 2018
27. थर्ड जेण्डर : तीसरी ताली का सच, (सं.) डॉ शगुफ्ता नियाज, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2018
28. थर्ड जेण्डर : अतीत और वर्तमान, (सं) डॉ एम. फ़ीरोज़ खान, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2018
29. थर्ड जेण्डर विमर्श, वैष्णव पी. वी, अनुसंधान पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स , कानपुर , 2018
30. भारतीय समाज में किन्नरों का यथार्थ, सं. आशीष कुमार 'दीपांकर', अनुसंधान पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स , कानपुर , 2018
31. थर्ड जेण्डर और साहित्य, (सं) डॉ एम. फ़ीरोज़ खान, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2018
32. थर्ड जेण्डर और जिन्दगी 50-50, (सं) डॉ एम. फ़ीरोज़ खान, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2018
33. थर्ड जेण्डर कथा की हकीकत, (सं) अकरम हुसैन & मनीष कुमार गुप्ता, अनुसंधान पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स , कानपुर , 2018
34. २१वीं शती का हिन्दी साहित्य नव विमर्श, (सं) डॉ एस. वाय. होनगेकर डॉ आरिफ महात, ए. बी. एस. पब्लिकेशन , वाराणसी , 2018
35. हिन्दी कथा साहित्य में किन्नर समाज, (सं) डॉ दिलीप मेहरा, माया प्रकाशन , कानपुर , 2018
36. थर्ड जेण्डर पर केंद्रित हिन्दी का प्रथम उपन्यास यमदीप, (सं) डॉ एम. फ़ीरोज़ खान, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2018
37. हिन्दी उपन्यासों में किन्नर विमर्श, डॉ मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर , 2018

38. थर्ड जेण्डर के संघर्ष का यथार्थ, (सं) डॉ शगुफ्ता नियाज, विकास प्रकाशन, कानपुर , 2018
39. वृद्ध विमर्श : कथा आलोचना, (सं.) डॉ शगुफ्ता नियाज, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2018
40. वैश्यावृति का परिदृश्य, दिलना के, अनुसंधान पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपूर, 2018
41. आदिवासी चिंतन की भूमिका, गंगा सहाय मीणा, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली, 2019
42. विकलांग विमर्श और हिन्दी कहानी, डॉ रेवती कावले, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2019
43. हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य, (सं) डॉ कल्पना विनायक देशपांडे, विनय प्रकाशन, 2019
44. भाषा विज्ञान, डॉ श्यामसुंदर दास, साहित्य सरोवर, 2019
45. भाषा विज्ञान, डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, 2019
46. अस्तित्व और पहचान, (सं) डॉ विजेंद्र प्रताप सिंह, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2019
47. किन्नर कथा : तीसरी दुनिया का सच, (सं) डॉ एम. फ़ीरोज़ खान, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2019
48. किन्नर विमर्श, (सं.) सफलता सरोज, अमन प्रकाशन , कानपुर , 2019
49. थर्ड जेण्डर आत्मकथा और जीवन संघर्ष, (सं) डॉ एम. फ़ीरोज़ खान, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2019
50. दरमियाना : आधी हकीकत आधा फसाना, (सं) डॉ एम. फ़ीरोज़ खान, विकास प्रकाशन , कानपुर , 2019
51. किन्नर साहित्य व्यथा , यातना और संघर्ष, (सं) डॉ देव्यानी महिड़ा, रोशनी पब्लिकेशन , कानपुर , 2019

52. भारतीय जनजातियाँ : संरचना एवं विकास, डॉ हरीशचन्द्र उप्रेती, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
53. समकालीन विमर्श : बदलते परिदृश्य, (सं) डॉ श्रवणकुमार मीणा, संजय प्रकाशन, दरियागंज
54. समकालीन साहित्य में किन्नर विमर्श, (सं) डॉ अनु पाण्डेय, माया प्रकाशन , कानपुर , 2019
55. साहित्य और समाज में उभरता किन्नर विमर्श, (सं) डॉ भारती अग्रवाल, नालंदा प्रकाशन , दिल्ली , 2019
56. थर्ड जेण्डर भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, राजकुमार, विकास प्रकाशन, कानपुर , 2019
57. हिन्दी साहित्य के नये आयाम, पूनम सिंह, विनय प्रकाशन , कानपुर, 2019
58. हिन्दी साहित्य में किन्नर जीवन, (सं) डॉ दिलीप मेहरा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019
59. किन्नर नहीं हिजड़ा समुदाय, नीरजा माधव, ए. बी. एस. पब्लिकेशन, वाराणसी, 2019
60. किन्नर – विमर्श : दशा और दिशा, डॉ विनय कुमार पाठक, भावना प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019
61. किन्नर समाज : तीसरी ताली, पार्वती कुमारी, वाणी प्रकाशन, 2019
62. अथ किन्नर-कथा सम्वाद, (सं) महेंद्र भीष्म, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2019
63. वात्सयायन कामसूत्र, प्रशान्त द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, दिल्ली, 2019
64. हिन्दी का प्रवासी साहित्य, डॉ कमल किशोर गोयन्का, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2019
65. भाषा विज्ञान का सिद्धान्त और हिन्दी भाषा, डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना, मीनाक्षी प्रकाशन, 2020

66. भारत के तलवारबाज और स्मारक प्रेमी किन्नर, डॉ भानु प्रताप सिंह, निखिल पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, आगरा, 2020
67. थर्ड जेण्डर : अस्मिता और संघर्ष, (सं) डॉ विजेंद्र प्रताप सिंह & डॉ रवि कुमार गोंड, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2020
68. हिन्दी साहित्य में थर्ड जेण्डर विमर्श, (सं) डॉ पायल लिल्हारे & डॉ श्याम मोहन पटेल, वान्या पब्लिकेशन, कानपुर, 2020
69. थर्ड जेण्डर : साक्षात्कार के आइने में, (सं) डॉ एम. फ़ीरोज़ खान, विकास प्रकाशन, कानपुर, 2020
70. तीसरी दुनिया का यथार्थ : एक मूल्यांकन, (सं) डॉ जयश्री एस. टी., विकास प्रकाशन, कानपुर, 2021
71. समकालीन कथा साहित्य में निशक्त केन्द्रित रचनाएँ, डॉ कविता यादव, पंकज बुक्स, दिल्ली, 2021
72. इक्कीसवीं सदी का नव्य विमर्श : किन्नर – विमर्श, (सं) डॉ रेखा दुबे, पंकज बुक्स, दिल्ली, 2021
73. किन्नर : सेक्स और सामाजिक स्वीकार्यता, प्रियंका नारायण, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2021
74. लैंगिक विकलांग विमर्श : दशा और दिशा, डॉ विनय कुमार पाठक, भावना प्रकाशन, दिल्ली, 2021
75. लैंगिक विमर्श और 'यमदीप', हर्षिता द्विवेदी, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2021
76. क्वीर विमर्श : लेस्बियन, गे, बाई-सेक्सुअल, ट्रांसजेंडर; के वनजा, वाणी प्रकाशन , नयी दिल्ली , 2021
77. बंद गली से आगे, जी. पी. वर्मा, विकास प्रकाशन, कानपुर, 2021
78. हिन्दी उपन्यासों में दलित वर्ग, कुसुमलता मेघवाल, सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2021

79. किन्नर अबूझ रहस्यमय जीवन, शरद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2022
80. दलित साहित्य का समाजशास्त्र, हरियाणा ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2022
81. प्रवासी हिन्दी साहित्य और संस्कृति, (सं) डॉ शबाना हबीब, अमन प्रकाशन, कानपूर, 2022
82. भारतीय स्त्री विमर्श, नीरजा माधव, सामयिक प्रकाशन, 2023
83. दलित स्त्री विमर्श : वाद एवं संवाद, प्रियंका सोनकर, प्रलेक प्रकाशन, मुंबई, 2023
84. बाल विकास : चिंतन और विमर्श के विविध आयाम, राजकुमार निजात, साहित्यसागर प्रकाशन, जयपुर, 2023
85. प्रवासी भारतीय हिन्दी साहित्य, (सं) डॉ विमलेश कांति वर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2024
86. सिद्धांत और अध्ययन, बाबू गुलाबराय, साहित्य सरोवर, 2024
87. समकालीन हिन्दी कहानी में स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, डॉ सुनत कौर,
88. अपरोक्ष, (सं) कमल चोपड़ा,
89. हिन्दी एकांकियो में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति, डॉ एम के गाडगीळ,
90. अज्ञेय के नारी चरित्रों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण, डॉ सुनीता कुमारी,

अंग्रेजी सहायक ग्रन्थ

1. Buddhist Art : Form & Meaning, Edited by Pratapaditya Pal, The Marg Foundation, India, 2007
2. Novelists on the Novel, Miriam Allott, Forgotten Books Publisher, 2019

3. A Midsummer Night's Dream, Edited by Horwood F C, Fingerprint Publishing, 2019
4. Aesthetic : An Science of Expression & General Linguistics, Benedetto Croce, Routledge,
5. Queer studies : Kaustav Bakshi & Rohit K Dasgupta, Orient Blackswan , 2019
6. Over the Rainbow : India's Queer Heroes, Aditya Tiwari, Juggernaut, 2023
7. Transgenders in India : An Introduction, Veerendra Mishra, Routledge, 2023

कोश

1. संक्षिप्त हिन्दी शब्दसागर, रामचंद्र वर्मा, नागरी प्रचारणी सभा, काशी, 1958
2. ऑक्सफ़ोर्ड डिक्शनरी, ऑक्सफ़ोर्ड क्लोरेडन प्रेस, 1960
3. मानक हिन्दी कोश, रामचन्द्र वर्मा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1964
4. संस्कृत शब्दार्थ कौस्तुभ, द्वारका प्रसाद चतुर्वेदी, रामनारायण लाल बेनी प्रसाद, इलाहबाद, 1967
5. संस्कृत-हिन्दी कोश, शिवराम वामन आपटे, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 1969
6. मानक हिन्दी अंग्रेजी कोश, राममूर्ति सिंह, प्रभात प्रकाशन, 1974
7. हिन्दी भाषा एवं साहित्य विश्वकोश, (सं) गपतिचंद्र गुप्त, एटलान्टिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 1995
8. प्रमाणिक हिन्दी कोश, (सं) रामचंद्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2000 (तृतीय संस्करण)

9. विश्व का प्रथम मानव-मूल्य-परक शब्दावली का विश्वकोश, (सं) धर्मपाल मैनी, सरूप एंड सन्ज, नई दिल्ली, 2005

पत्र-पत्रिकाएँ

1. वाङ्मय (जनवरी-मार्च / 2006) - दलित विशेषांक
2. विचार परिक्रमा (दिसम्बर 2010 – मार्च 2011)
3. नई दुनिया – जून, 2011
4. जनकृति अन्तराष्ट्रीय पत्रिका (अगस्त 2016) – थर्ड जेंडर विशेषांक
5. वाङ्मय (जनवरी-मार्च / 2017) –खंड:एक, थर्ड जेंडर:हिन्दी कहानियाँ
6. वाङ्मय (अप्रैल-जून / 2017) – खंड:दो, थर्ड जेंडर:अनुदित कहानियाँ
7. सामायिक सरस्वती (अप्रैल-सितम्बर / 2018)
8. सामायिक सरस्वती (जनवरी-मार्च / 2019)

वेबलिंक

1. https://social-work.in/gender-kya-hai/
2. chromeextension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://ir.govtsciencecollegedurg.ac.in/IRDOCUMENT/71.pdf
3. chromeextension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/68270/1/Unit-2.pdf
4. https://www.mindbodygreen.com/articles/list-of-sexualities

5. https://www.healthshots.com/hindi/intimate-health/what-is-asexuality-a-psychologist-answers/

6. https://www.cosmopolitan.com/sexopedia/a33013910/polysexual/

7. https://jaankarirakho.in/%E0%A4%B2%E0%A5%88%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%A4%E0%A4%BE-%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE-%E0%A4%B9%E0%A5%88-%E0%A4%B2%E0%A5%88%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%A4%E0%A4%A4/

8. https://www.collinsdictionary.com/dictionary/english/third-gender

9. https://www.oxfordlearnersdictionaries.com/definition/english/third-gender#:~:text=%2F%CB%8C%CE%B8%C9%9C%CB%90rd%20%CB%88d%CA%92end%C9%99r%2F,a%20combination%20of%20the%20two

10. https://educalingo.com/hi/dic-hi/kinnara-1

11. https://www.exoticindiaart.com/book/details/in-country-of-kinnars-haa197/

12. .http://kavitakosh.org/kk/%E0%A4%AF%E0%A4%A6%E0%A4%BF_%E0%A4%B9%E0%A5%8B%E0%A4%A4%E0%A4%BE_%E0%A4%95%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A8%E0%A4%B0_%E0%A4%A8%E0%A4%B0%E0%A5%87%E0%A4%B6_%E0%A4%AE%E0%A5%88%E0%A4%82_/_%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE_%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B8%E0%A4%BE%E0%A4%A6_%E0%A4%AE%E0%A4%BE%E0%A4%B9%E0%A5%87%E0%A4%B6%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%B0%E0%A5%80

13. https://www.bhaskar.com/story-of-kidnapping-and-blackmail-5956980.html/

14. https://hindi.webdunia.com/sanatan-dharma-article/chaurasi-lakh-yonis-117020200074_1.html

15. https://www.livehindustan.com/bihar/story-there-were-42-thousand-transgenders-in-the-2011-census-how-come-now-there-are-825-kinnar-leader-question-on-bihar-caste-census-8797504.html

16. https://www.abplive.com/elections/karnataka-election-2023-transgender-population-in-karnataka-know-how-many-transgender-people-registered-as-voters-2370132

17. https://www.hindioption.com/xy-xx-chromosome-se-kinnar-kaise-janm-lete-hai/

18. https://healthlibrary.askapollo.com/hindi/triple-x-syndrome-causes-symptoms-treatment/

19. https://hindi.news18.com/news/lifestyle/health-symptoms-and-complications-of-gender-dysphoria-in-hindi-4433684.html

20. https://www.onlymyhealth.com/gender-dysphoria-symptoms-and-treatment-explained-by-dr-nimesh-desai-in-hindi-1701176130

21. https://www.bhaskar.com/national/news/what-is-gender-reassignment-surgery-01590093.html#:~:text=%E0%A4%AF%E0%A4%A6%E0%A4%BF%20%E0%A4%95%E0%A5%8B%E0%A4%88%20%E0%A4%AA%E0%A5%81%E0%A4%B0%E0%A5%81%E0%A4%B7%20%E0%A4%B8%E0%A5%87%20%E0%A4%AE%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%B2%E0%A4%BE,%E0%A4%85%E0%A4%82%E0%A4%A4%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%B2%20%E0%A4%AE%E0%A5%87%E0%A4%82%20%E0%A4%95%E0%A4%BF%E0%A4%8F%20%E0%A4%9C%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A5%87%20%E0%A4%B9%E0%A5%88%E0%A4%82%E0%A5%A4

22. https://www.theraigarsamaj.com/riti_rivaj/

23. https://www.jagran.com/uttar-pradesh/bulandshahr-9207684.html

24. https://udaipurtimes.com/crime/fight-between-two-groups-of-eunuchs/cid12598696.htm

25. https://www.herzindagi.com/hindi/society-culture/what-is-chela-ritual-of-kinnar-article-235523

26. https://www.herzindagi.com/hindi/society-culture/why-did-shri-krishna-marry-son-of-arjun-article-233591

27. https://www.jagran.com/spiritual/religion-antyeshti-sanskar-know-what-is-the-importance-of-this-rite-and-how-to-do-that-20974669.html

28. http://www.humrang.com/humrang/100247/%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%81 %E0%A4%AE%E0%A5%88%E0%A4%82 %E0%A4%95%E0%A4%BF

29. chromeextension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/http://www.jkppgcollege.com/e-content/dr-abha-saini-manvadhikar.pdf

30. chromeextension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/http://www.jkppgcollege.com/e-content/dr-abha-saini-manvadhikar.pdf

31. chromeextension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/http://www.jkppgcollege.com/e-content/dr-abha-saini-manvadhikar.pdf

32. https://www.aksharwartajournal.page/2019/12/raamacharit-maanas-mein-kinnar-UehDAH.html#:~:text=%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%AE%E0%A4%9A%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%A4%20%E0%A4%AE%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A4%B8%20%E0%A4%AE%E0%A5%87%E0%A4%82%20%E0%A4%95%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A8%E0%A4%B0%E0%A5%8B%E0%A4%82%20%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%BE,%E0%A4%A4%E0%A5%80%E0%A4%B0%E0%A4%A5%E0%A4%AA%E0%A4%A4%E0%A4%BF%20%E0%A4%86%E0%A4%B5%20%E0%A4%B8%E0%A4%AC%20%E0%A4%95%E0%A5%8B%E0%A4%88%E0%A5%A4

33. https://www.gaylaxymag.com/hindi/lgbtq-in-jain-religion-and-texts/

34. https://hindi.news18.com/news/knowledge/alauddin-khilji-lover-malik-kafur-who-gave-him-chanakya-niti-7950986.html

35. http://assets.vmou.ac.in/MSW06.pdf

36. http://assets.vmou.ac.in/MSW06.pdf

37. http://assets.vmou.ac.in/MSW06.pdf

38. https://www.google.com/search?q=%E0%A4%AA%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B0+%E0%A4%95%E0%A5%80+%E0%A4%AA%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE+%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE+%E0%A4%B9%E0%A5%88&sca_esv=ca35beedbaf5db4b&sca_upv=1&sxsrf=ADLYWILhAqxggvTzYJjbPH2ueonRxYMQww%3A1718545894016&ei=5u1uZpNbjvLj4Q-wzYOwBA&oq=%E0%A4%AA%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B0+%E0%A4%95%E0%A5%80+%E0%A4%AA%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE+&gs_lp=Egxnd3Mtd2l6LXNlcnAiMOCkquCksOCkv-CkteCkvuCksCDgpJXgpYAg4KSq4KSw4KS_4KSt4KS-4KS34KS-ICoCCAAyChAAGIAEGEYY-QEyBRAAGIAEMgUQABiABDIKEAAYgAQYQxiKBTIFEAAYgAQyBRAAGIAEMgUQABiABDIFEAAYgAQyBRAAGIAEMgUQABiABDIkEAAYgAQYRhj5ARiXBRiMBRjdBBhGGPkBGPQDGPUDGPYD2AEBSJ4ZUIAEWIAEcAF4AZABAJgBjgGgAY4BqgEDMC4xuAEByAEA-AEBmAIDoAK2DsICChAAGLADGNYEGEfCAg0QABiABBiwAxhDGIoFwgIkEAAYgAQYRhj5ARiXBRiMBRjdBBhGGPkBGPQDGPUDGPYD2AEBmAMAiAYBkAYKugYGCAEQARgTkgcHMS4xLjctMaAHww0&sclient=gws-wiz-serp

39. https://www.mpboardonline.com/answer/class-12-sociology/17.html

40. https://www.mpboardonline.com/answer/class-12-sociology/17.html

41. https://www.mpboardonline.com/answer/class-12-sociology/17.html

42.https://littleflowercollege.edu.in/upload/e_contents/files/14cc07a0fc6277ef0363ebd0159dcf81.pdf

43. https://www.youtube.com/watch?v=jomUeF_RuTE

44. https://gulabkothari.wordpress.com/2020/03/30/

45.https://bprd.nic.in/uploads/pdf/16.%20%E0%A4%B5%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%B8%E0%A4%BE%E0%A4%AF%E0%A4%BF%E0%A4%95%20%E0%A4%AF%E0%A5%8C%E0%A4%A8-%E0%A4%95%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A5%8B%E0%A4%82%20%E0%A4%95%E0%A4%BE%20%E0%A4%B8%E0%A5%81%E0%A4%A7%E0%A4%BE%E0%A4%B0%20%E0%A4%8F%E0%A4%B5%E0%A4%82%20%E0%A4%AA%E0%A5%81%E0%A4%A8%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B8.pdf

46. https://khabarlahariya.org/im-a-sex-worker-and-a-kinnar/

47. https://www.naidunia.com/madhya-pradesh/gwalior-seven-transgender-suffer-from-hiv-treatment-start-in-jah-1209082

48.http://ir.unishivaji.ac.in:8080/jspui/bitstream/123456789/2476/5/05_Chapter%203.pdf

49.https://www.jagran.com/uttar-pradesh/meerut-city-india-first-ashram-is-being-built-in-bulandshahr-up-for-the-kinners-will-also-get-employment-jagran-special-21239015.html

50.https://navbharattimes.indiatimes.com/metro/lucknow/administration/yogi-government-preparation-to-give-pension-to-1-25-lakh-eunuchs-in-uttar-pradesh/articleshow/105826600.cms

51. https://www.rekhta.org/nazms/ye-daulat-bhii-le-lo-ye-shohrat-bhii-le-lo-sudarshan-faakir-nazms?lang=hi

52. https://www.hrc.org/resources/understanding-poverty-in-the-lgbtq-community

53. https://www.humrang.com/humrang/100247/%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%81_%E0%A4%AE%E0%A5%88%E0%A4%82_%E0%A4%95%E0%A4%BF#:~:text=%E0%A4%86%E0%A4%96%E0%A4%BF%E0%A4%B0%20%E0%A4%8F%E0%A4%95%20%E0%A4%95%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A8%E0%A4%B0%20%E0%A4%AD%E0%A5%80%20%E0%A4%A4%E0%A5%8B,%E0%A4%AA%E0%A4%B0%E0%A5%87%E0%A4%B6%E0%A4%BE%E0%A4%A8%20%E0%A4%B0%E0%A4%B9%E0%A4%A8%E0%A5%87%20%E0%A4%B2%E0%A4%97%20%E0%A4%9C%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A5%87%20%E0%A4%B9%E0%A5%88%E0%A5%A4&text=%E0%A4%95%E0%A4%BF%E0%A4%B8%E0%A5%80%20%E0%A4%A8%E0%A5%87%20%E0%A4%95%E0%A4%B9%E0%A4%BE%20%E0%A4%B9%E0%A5%88%20%E0%A4%95%E0%A4%BF,%E0%A4%95%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A8%E0%A4%B0%20%E0%A4%95%E0%A5%8B%20%E0%A4%B8%E0%A4%AE%E0%A4%9D%20%E0%A4%B8%E0%A4%95%E0%A4%A4%E0%A4%BE%20%E0%A4%B9%E0%A5%88%E0%A5%A4

54. https://www.bhaskar.com/uttar-pradesh/allahabad/news/who-is-acharya-mahamandaleshwar-swami-laxmi-narayan-tripathi-6005043.html

55. https://www.patrika.com/mumbai-news/nagpur-now-transgenders-will-have-their-own-house-maharashtra-government-in-preparation-for-housing-for-transgenders-know-the-full-plan-7698936

56. https://hindi.news18.com/news/dharm/asato-ma-sadgamaya-meaning-in-hindi-bgys-2987995.html

57. https://www.rncollegehajipur.in/rn/uploads/products/Unemployment%20by%20Dr.%20Priyanka%20Singh.pdf

58. https://m.himachal.punjabkesari.in/himachal-pradesh/news/fake-eunuchs-were-extorting-money-then-something-happened-like-this-1826399

59. https://www.amarujala.com/video/uttar-pradesh/agra/crime/fake-transgenders-troubling-people-on-roads-in-agra

60. https://rajeduboard.rajasthan.gov.in/books-2018/cls11/manovigyanfinal.pdf

61. https://www.bartleby.com/essay/Loneliness-FK4YFYZTC

62. https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/padrauna/story-after-making-a-video-on-mobile-the-transgender-committed-suicide-10153395.html

63. https://www.forbes.com/health/mind/inferiority-complex/

64. https://www.forbes.com/health/mind/inferiority-complex/

65. https://osou.ac.in/eresources/DFHT-01-BLOCK-01.pdf

66. https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/bhasavigyan-hindi%20bhasa-final.pdf

67. https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/bhasavigyan-hindi%20bhasa-final.pdf

68. https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/bhasavigyan-hindi%20bhasa-final.pdf

69. https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/bhasavigyan-hindi%20bhasa-final.pdf

70. https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/bhasavigyan-hindi%20bhasa-final.pdf

71. https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/bhasavigyan-hindi%20bhasa-final.pdf

72. https://toppandigital.com/translation-blog/grammatical-genders-in-different-languages/